भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4760

दिनांक 28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

हरियाणा में डे-केयर कैंसर केन्द्र

†4760. कुमारी सैलजाः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देशभर के सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर केन्द्र शुरू करने की घोषणा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या इस पहल के अंतर्गत इस वर्ष के अंत तक कुल 700 केन्द्र शुरू किए जाने की संभावना है और यदि हां, तो उक्त योजना के अंतर्गत हरियाणा में कितने केन्द्र स्थापित किए जाने की संभावना है;
(ग) क्या यह सच है कि घग्गर नदी के प्रदूषित जल के कारण हरियाणा के टोहाना, रतिया, सिरसा, रानिया एवं ऐलनाबाद क्षेत्र तथा सिरसा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र कैंसर से अधिक प्रभावित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार की उक्त क्षेत्र में कैंसर के रोगियों के उपचार की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): केंद्रीय बजट 2025-26 की घोषणा के अनुसार, सरकार का लक्ष्य पूरे भारत के जिला अस्पतालों में 200 डे केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) स्थापित करना है। वर्तमान में, जिला अस्पतालों में 372 डीसीसीसी पहले से ही कार्यरत हैं।

हरियाणा सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्तमान में हरियाणा के 5 जिलों (अंबाला, फरीदाबाद, पंचकूला, कुरुक्षेत्र और यमुनानगर) में डीसीसीसी स्थापित हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, पंजाब और हरियाणा राज्यों में घग्गर नदी पर एक प्रदूषित क्षेत्र पाया गया है। हरियाणा सरकार ने जानकारी दी है कि टोहाना, रतिया, सिरसा, रानिया और ऐलनाबाद क्षेत्र सिरसा और फतेहाबाद जिले के अंतर्गत आते हैं। हरियाणा कैंसर एटलस परियोजना के तहत विभिन्न जिलों में राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर) पोर्टल पर दर्ज कैंसर के मामलों की संख्या यह नहीं दर्शाती है कि सिरसा या फतेहाबाद जिले अन्य जिलों की तुलना में कैंसर से अधिक प्रभावित हैं।

जिला अस्पतालों में कैंसर देखभाल के बुनियादी ढांचे, चिकित्सा कर्मचारियों और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता का आकलन करने के लिए एक व्यापक अंतराल विश्लेषण शुरू किया गया है। इस विश्लेषण के आधार पर, मंत्रालय ने राज्य सरकार के परामर्श से, उच्च कैंसर के बोझ और कैंसर देखभाल सेवाओं तक अपर्याप्त पहुंच वाले जिलों में 200 डीसीसीसी स्थापित करने की योजना बनाई है। इस चयन में देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) और विशिष्ट कैंसर देखभाल केंद्रों (टीसीसीसी) के साथ रेफरल लिंकेज की उपलब्धता की परिकल्पना की गई है। उन्नत स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में टीसीसीसी के रूप में सिविल अस्पताल, अंबाला कैंट सहित 19 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और 20 विशिष्ट कैंसर देखभाल केंद्र (टीसीसीसी) स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, सुपर-स्पेशियलिटी देखभाल प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) की स्थापना की गई है, जिसमें 1,460 रोगी देखभाल बेड हैं।

राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, मानव संसाधन, शीघ्र निदान, रेफरल, उपचार और एनसीडी की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाना है। इस कार्यक्रम के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट, 372 जिला डे केयर सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक हिस्से के रूप में आम कैंसर सहित सामान्य एनसीडी की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। हरियाणा राज्य में 18.03.2025 तक, 78.52 लाख लोगों की मुख के कैंसर, 37.77 लाख लोगों की स्तन कैंसर और 16.55 लाख लोगों की गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच की गई है।

****